किसान करें सामूहिक खेती

कुलपति ने कहा-महिलाओं की सहभागिता जरूरी

रोसड़ा (सं.सू.)। सामूहिक खेती से ही किसानों की समस्याओं का निदान संभव है। राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मेवालाल चौधरी ने राष्ट्रीय कृषि अन्वेषण परियोजना के तहत अंगीकृत गांव कलवारा में परियोजना के उद्घाटन समारोह में उक्त बातें कही।

कुलपति डा. चौधरी ने कहा कि सामूहिक खेती से हम सालों भर रोजगार पा सकते हैं। किसान वैज्ञानिक मिलकर इस दिशा में सार्थक प्रयास करें, तो एक दिन बिहार कृषक राज्य बन सकता है। उन्होंने कहा कि इस परिकल्पना में महिलाओं की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने महिलाओं को परियोजना के लिए ट्रेनिंग तथा किसानों को उन्नत बीज उत्पादन में भी सहयोग का आश्वासन दिया। निदेशक अनुसंधान डा.बी.सी.चौधरी ने बदलते मौसम को देखते हुए खेती की विविधता पर ध्यान केन्द्रित करने की सलाह दी। मौके पर निदेशक प्रसार शिक्षा डा. मदन सिंह, संयोजक डा.एम.एम.झा, डा.देवेन्द्र सिंह ने भी अपने विचार रखे।

अध्यक्षता किसान राम सुदिष्ट कुंवर ने की। मौकेपर विश्व विद्यालय के 60 वैज्ञानिकों का दल भी था। परियोजना के तहत कलवारा एवं मब्बी का चयन किया गया। कुलपति ने मब्बी एवं कलवारा के पांच किसानों को विश्व विद्यालय की ओर से दवा आदि दिए।